

## वी. रु० I

Date \_\_\_\_\_  
Page \_\_\_\_\_

प्र० ७ जीवीम या वायोम का अर्थ बताते हुए विवर के सभी अधार इस जीवीम का वर्णन किए जाएंगे

प्र० ८

### जीवीम

जीवीम या वायोम शब्द ग्रीक भाषा के वायोम से (Biom) बना है जिसका आर्थ प्राय होता (Bios) है। जीवन

(i) पीतर ईंगेट के शब्दों में "जीवीम" इसकी के बहुद पर्याकरणीय कठिन-घट है। जो कि सुस्पष्ट यात्रा आवश्यक नहीं होती है।

(ii) जनीमेण्ट व रोफी के अनुसार - जीवीम एक जीव तथा समूह होता है जो कि मैग्नोलिक स्थिमाओं में अपने विशेष जीव रूप तथा जातीय श्रेष्ठता से पहचाना जाता है

(iii) ओडम के अनुसार → जीवीय जलवायु जब हीवीय वस्त्याते रखने पर्यायी से अन्तरिक्ष करती है। तो विशिष्ट समुदायों का उद्भव होता है। जिसे सरलता से पहचाना जा सकता है। उसको जीवीम के नाम से पुकारते हैं।

### जीवीम के प्रकार

जीवीम को मुख्यतः दो भागों में बांटा जा सकता है। स्थायी तथा जनीय जीवीम जलवायु तथा वनस्पति के अधार पर स्थायी जीवीम को तीन भागों में बांटा जा सकता है।

का जीविम धारा प्रदेश जीविम तथा कर्मसुली  
जीविम जलीय जीविम को लवणता के  
आधार पर ताजा जलीय जीविम तथा सूखी  
जीविम में बदलते हैं

केशव के प्रमुख जीविम

(1) विषुवत् स्थीय वन जीविम -  
स्थिति संव विस्तर -

विषुवत् रेखा के दोनों ओर  
लाभगत ३०% आक्षरिकों के मध्य स्थिति यह होती है  
पूर्ती के स्थलीय भाग का ४०% भाग धैरता है  
इसके अलगत मध्य अक्षीका का कागिं क्रिया  
मध्य अमेरिका दक्षिणी अमेरिका का अमेलन  
वेसिन तथा दक्षिणी पुरी रशिया का हीपीय  
व प्रायद्वीपीय भाग साम्मालित है

जलवायु → उड़ान व आम जलवायु पायी  
जाती है कुछ अनूठीक भिन्नता  
को होड़कर वर्षा पर्याल झाँच तापमान तथा  
वर्षा होती है

वनस्पति → ये हीत पादप विविधता की  
द्वावट से धनी है अकेले मध्य  
अक्षीका में ही पुष्टि पादपों की भागभाग

७,००० प्रबातिर्यां भिन्नती है यह मुख्यतः  
चीड़ पती वर्षी सदावहार वन पायी  
जाते हैं नदियाँ को बढ़कृत भिन्नती व  
समुद्र तटीय भिन्नती व समुद्रीतीय भागों में  
दलहस्ती वन पाये जाते हैं। यह त्रिस्तरीय वा  
पाये जाते हैं।